

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 06 अक्टूबर, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 में राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद अल्मोड़ा के विकासखण्ड हवालबाग के अन्तर्गत खूंट ग्राम समूह पम्पिंग पेयजल योजना की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3341/अप्रेजल-अल्मोड़ा/ दिनांक 05.09.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद अल्मोड़ा के विकासखण्ड हवालबाग की खूंट ग्राम समूह पम्पिंग पेयजल योजना अनु० लागत ₹0 572.91 लाख के प्राक्कलन पर टी०ए०सी० के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई अनु०लागत ₹0 444.60 लाख (रु चार करोड़ चवालीस लाख साठ हजार मात्र) की धनराशि के प्राक्कलन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में ₹0 20.00 लाख (रुपये बीस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।

3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग के पश्चात उपरोक्त विवरण उपलब्ध कराने के बाद ही आगामी किस्त की अवशेष धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

4. योजना इसी लागत में पूर्ण कर ली जायेगी और इसमें विलम्ब व अन्य कारणों से लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्ग है। स्वीकृत नार्ग से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 6- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 7- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 8- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताये तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरो/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 9- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भू-गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 10- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 11- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 12- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हों, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।
- 13- जी0पी0डब्ल्यू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्यों को पूर्ण न करने पर 10प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत से निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 14- मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।
- 15- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी माने जायेंगे।
- 16-उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक"2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति-आयोजनागत -102- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-03-ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर-00 -20- सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

17.- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-580/XXVII(2)/2006 दिनांक 29 सितम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)
अपर सचिव

पृ० सं० 1982/उन्तीस(2)/06-2(67 पे०)/2006 तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. मण्डलायुक्त कुँमाऊ मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तरांचल।
8. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. मा० मुख्यमंत्री कार्यालय घोषणा अनुभाग-4
10. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 11. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)
उप सचिव